>

Title: Need to declare Betel Leave (Pan) as an agricultural produce.

श्रीमती अश्वमेध देवी (उजियारपुर): पान हमारे जीवन में सदियों से एक महत्वपूर्ण जगह रखे हुए है। इसका प्रयोग खाने के अलावा पूजा-पाठ में किया जाता रहा है। खासकर उत्तर भारत के कई राज्यों में पान की खेती होती है तथा इस खेती से लाखों लोग जुड़े हैं। खासकर मेरे संसदीय क्षेत्र उजियारपुर का चौरसिया समुदाय पान की खेती पर निर्भर है। पान की खेती को भारत सरकार ने बागवानी का दर्जा दे रखा है। जिसके कारण पान की खेती से जुड़े समुदाय कृषक लाभ से वंचित हो जाते हैं।

अतः मैं केन्द्र सरकार से पुरजोर मांग करती हूँ कि पान की खेती को बागवानी की जगह कृषि का दर्जा दें ताकि पान की खेती से जुड़े समुदाय कृषक लाभ प्राप्त कर सकें तथ इससे उत्साहित होकर व ह अच्छे और वैज्ञानिक ढंग से पान की खेती कर सकें।